प्रेस विज्ञप्ति 2 जुलाई, 2016

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आज निम्नलिखित बयान जारी किया :-

भाजपा की निकम्मी व नकारा सरकार ने युवा पीढ़ी को नशे की गर्त में धकेल कर रख दिया है। पिछले 18 माह में हरियाणा की खट्टर सरकार और 24 महीने में केंद्र की मोदी सरकार युवाओं को रोजगार के मौके उपलब्ध करवाने और नई नौकरियां सृजन करने में पूरी तरह से विफल रही है। कृषि और व्यापार क्षेत्र को बढ़ावा देने के मामले में भी भाजपा की सरकारें विफलता के पहले पायदान पर हैं। इन हालात में हरियाणा के युवाओं में चारों तरफ भारी बेचैनी और निराशा है। प्रदेश के युवाओं को कहीं से भी आशा की कोई किरण नजर नहीं आ रही।

कुरुक्षेत्र में चल रही हरियाणा पुलिस की भर्ती के घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया है कि हरियाणा के युवक बुरी तरह से नशे की गर्त में धंस चुके हैं। इस भर्ती के लिए साढ़े पांच लाख युवाओं ने अर्जी दी। शारीरिक परीक्षण के दौरान तीन युवाओं की दर्दनाक मौत हो चुकी है और 397 युवा अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। यही नहीं, प्रदेश के हजारों अन्य युवा भी निजी अस्पतालों में उपचार करवा रहे हैं। इससे साबित होता है कि हरियाणा प्रदेश में फिलहाल ड्रग माफिया सरकारी संरक्षण में फलफूल रहा है तथा मुख्यमंत्री और उनके सभी मंत्री सत्ता के नशे में कुंभकर्णी नींद सो रहे हैं।

प्रदेश में बढ़ रहा चौतरफा अपराध इन्हीं हालात का परिणाम है। 18 माह पहले हरियाणा में भाजपा सरकार के गठन से लेकर अब तक एक भी युवा को रोजगार नहीं दिया गया, उलटा हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी से हटाकर घर भेज दिया गया है। खुद मुख्यमंत्री सार्वजनिक तौर पर कैथल में कह चुके हैं कि मौजूदा हालात में किसी भी जिले में हर साल औसतन 40 से अधिक सरकारी रोजगार देना संभव नहीं है। मतलब साफ है कि राज्य सरकार ने रोजगार के मामले में हाथ खड़े कर दिया हैं और खुद यह स्वीकार किया है कि किसी भी विधानसभा क्षेत्र में 10 से अधिक रोजगार सरकारी क्षेत्र में नहीं दिए जा सकते।

मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि खट्टर सरकार ने पहले प्रदेश में जातीय विभाजन पैदा करके भाईचारा बिगाडऩे का काम किया है, जिसके कारण प्रदेश में कोई भी नया उद्योग आना तो दूर पहले से मौजूद औद्योगिक इकाइयां पलायन करने को मजबूर हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चापलूसी की 'खट्टर नीति' से मारुति की अगली फैक्टरी हरियाणा की

बजाए गुजरात में स्थापित होने जा रही है। इससे प्रदेश के हजारो युवाओं का रोजगार पाने का सपना ध्वस्त हो जाएगा।

दूध-दही के खाने वाले हरियाणा में नशे की इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए कांग्रेस पार्टी खट्टर सरकार से निम्नलिखित मांगे करती है ;

1. सरकार प्रदेश में श्वेत-पत्र जारी करके नशे के शिकार युवाओं की सही संख्या सामने लाए। साथ ही, नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त गिरोहों की संख्या और उनके खिलाफ की गई कार्यवाही की जानकारी पर भी श्वेत-पत्र जारी कर प्रदेश की जनता को अवगत करवाए।

2. श्रेष्ठ और ईमानदार पुलिस अधिकारियों पर आधारित स्पेशल टॉस्क फोर्स का गठन किया जाए। इसकी मॉनिटड्क्षरग की जिम्मेवारी बतौर गृहमंत्री खुद मुख्यमंत्री लें।

3. नशे के बढ़ते प्रकोप पर प्रभावी ढंग से काबू पाने के लिए सरकार तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाएं और सभी दलों के साथ विचार-विमर्श करें। सरकार सामाजिक संगठनों को भी नशाविरोधी अभियान में शामिल करने के लिए विश्वास में ले।

4. हरियाणा सरकार खाली पदों को भरने के लिए तत्काल समयबद्ध कदम उठाए।

5. जब तक प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिले तब तक भाजपा के घोषणा-पत्र के मुताबिक उन्हें नौ हजार रुपये मासकि बेरोजगारी भत्ता दिया जाए।

6. प्रदेशभर में युवाओं की नशे की लत छुड़ाने के लिए नशामुक्ति केंद्र खोले जाएं। इसके लिए पर्याप्त आधारभूत ढांचे की व्यवस्था हो।

रणदीप सिंह सुरजेवाला
चेयरमैन,
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी,
मीडिया विभाग